अलाउद्दीन का राजत्व संबंधी सिद्धांत

बलबन के समान अलाउद्दीन ने भी अपना राजत्व संबंधी सिद्धांत निर्धारित किया। उसके गद्दी पर बैठने के समय सुल्तान की शक्ति और गरिमा में पुनः गिरावट आ गई थी। अतः वह सुल्तान के पद की गरिमा की पुनर्स्थापना कर अपनी स्थिति सुदृढ़ करना चाहता था। उसका राजत्व का सिद्धांत तीन मूल तत्वों पर आधृत था। शासक की निरंकुशता और सर्वोच्चता, धर्म और राजनीति का पृथक्करण एवं साम्राज्यवाद की धारणा। अलाउद्दीन का राजत्व बलबन से कुछ अर्थों में भिन्न था। बलबन सुल्तान को पृथ्वी पर अल्लाह का प्रतिनिधि मानता था, परंतु अलाउद्दीन ने सुल्तान के लिए किसी धार्मिक सहारा की आवश्यकता नहीं मानी।

सुल्तान को सर्वोपरि और सर्वशक्तिमान मान कर अलाउद्दीन ने बलबन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत को और अधिक सुदृढ़ किया। अलाउद्दीन का मानना था कि सत्ता शक्ति से प्राप्त होती है। अल्लाह, सामंत, उलेमा अथवा प्रजा के सहयोग से कोई सुल्तान का पद प्राप्त नहीं करता है, बल्कि अपनी शक्ति के द्वारा ही वह इस पद को पाता है और जब तक वह शक्तिशाली रहता है तब तक अपने पद पर बना रहता है। अपनी इस नीति के अनुरूप उसने सामंत वर्ग को शक्तिहीन कर दिया, उलेमा के प्रभाव को नकार दिया, धर्म के प्रभाव से राजनीति को मुक्त किया एवं दिल्ली की प्रजा को राजनीतिक रूप से निष्क्रिय कर दिया। इसके साथ-साथ अलाउद्दीन यह भी मानता था कि राजतंत्र दैवी नहीं हो परंतु न्यायसंगत और पवित्र अवश्य हो।

Scanned with CamScanner

जनता पर भय और आतंक स्थापित करने के स्थान पर वह उनका सहयोग और समर्थन पाना चाहता था।

उसने धर्म निरपेक्ष राजतंत्र की कल्पना की। खलीफा का महत्व स्वीकार करते हुए, कुरान में श्रद्धा और विश्वास रखते हुए भी उसने उलेमा के प्रभाव को स्वीकार नहीं किया तथा राजनीति पर से उनका प्रभाव समाप्त कर दिया ऐसा उसने इसलिए किया क्योंकि उलेमा ~~के प्रभाव को स्वीकार~~ सुल्तान प्रशासन और राजनीति पर अपना दबाव बनाए हुए थे। अलाउद्दीन की नीति पूर्णतः धर्म निरपेक्ष नहीं थी। हिन्दुओं के प्रति उसने विभेदपूर्ण नीति अपनाई। वह अपने-आपको सिर्फ मुसलमानों का सुल्तान मानता था। राज्य की हिंदू प्रजा को कोई अधिकार नहीं था। उन्हें सिर्फ कर देना था। वे जजिया देकर राज्य में रह सकते थे परंतु राज्य पर उनका कोई दावा नहीं था। अतः हिंदुओं को जजिया के अतिरिक्त अन्य अनेक प्रकार के करों, जैसे- चराई, घरी के बोझ से डाल दिया। हिन्दू लगान वसूलने वाले पदाधिकारियों, खूत, मुकद्दम और चौधरी से लगान वसूली का काम वापस ले लिया गया। इससे उनकी आर्थिक स्थिति तो दुर्बल हुई ही, उनका सामाजिक और प्रशासनिक प्रभाव भी घट गया।

अलाउद्दीन ने निरंकुश राजतंत्र की स्थापना की। वह सुल्तान के ऊपर किसी सत्ता को स्वीकार नहीं करता था। वह राज्य और सरकार में भी विभेद नहीं करता था। उसकी इच्छा ही कानून था। राजकर्मी उसके सेवक थे, सलाहकार अथवा सहयोगी नहीं;

परन्तु अलाउद्दीन ने बलबन द्वारा प्रतिपादित नस्ल के सिद्धांत का खण्डन कर प्रशासन में योग्य व्यक्तियों को स्थान दिया। हिन्दुओं के प्रति उसने कठोर नीति अपनाई जिससे उनकी स्थिति दयनीय हो गई। इतिहासकार बरनी के अनुसार सुल्तान की नीतियों के कारण चौधरी, खूत, मुकद्दम इस योग्य नहीं रह गए थे कि घोड़े पर चढ़ सकते, हथियार बाँध सकते, अच्छे वस्त्र पहन सकते अथवा पान का शौक कर सकते। उनकी दशा ऐसी हो गई कि खूत और मुकद्दमों की स्त्रियाँ मुसलमानों के घर मजदूरी करने के लिए जाने लगीं।

अलाउद्दीन को अपने शासन काल में अनेक विद्रोहों का सामना करना पड़ा। ये विद्रोह उसकी निरंकुश सत्ता को चुनौती थी और सुल्तान के प्रति निष्ठा के अभाव को परिलक्षित करते थे। अलाउद्दीन ने अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए फिरोज के उत्तराधिकारियों की हत्या करवाई, उसके संबंधियों और समर्थक अमीरों को दंडित कर उनकी संपत्ति जब्त कर ली। दिल्ली के नव-मुसलमानों, बदायूँ और अवध के सूबेदारों, आकत खाँ और हाजी मौला के विद्रोहों का दमन किया।

अलाउद्दीन खिलजी प्रथम मुस्लिम शासक था जिसने भूमि की पैमाइश करवाई। बरनी ने इसके भू राजस्व प्रणाली को मसाहत पद्धति कहा है। इसमें भूमि की बीघा तथा बिसवा (बिस्वे का 20 वां भाग) को भूमि मापने का पैमाना बनाया।

उसने खुत, मुकद्दम, चौधरी जैसे परंपरागत कर वसूली वाले अधिकारियों को हटा दिया और कर वसूली के लिए वेतन भोगी राजकीय अधिकारी नियुक्त किये। अलाउद्दीन ने इन वंशानुगत अधिकारियों के विशेषाधिकारों को भी छिना। तथा इनकी भूमि पर भी कर लगाया। हक-ए-खोती - किसानों से जितना टैक्स अधिकारी लेते थे उसका 10% टैक्स राजा को न देकर खुद अधिकारी लेते थे। तथा 90% टैक्स राजा को देते थे। किसान-ए-खोती - किसानों से अलग से टैक्स लेते थे। अलाउद्दीन ने इस प्रकार परंपरागत जमींदार वर्ग पर नियंत्रण स्थापित किया। अलाउद्दीन के भू-राजस्व 50% सर्वाधिक थी। इसके अलावा घरी, चरी नामक अन्य कर भी लगाये।

—x—

Scanned with CamScanner